भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
10.03.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2745 का उत्तर

राजस्व में कमी

2745. श्री ओम पवन राजेनिंबालकर:
श्री हेमन्त पाटिल:
श्री राहुल रमेश शेवाले:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) **क्या गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान रेलवे द्वारा यात्रियों तथा माल ढुलाई से अर्जित राजस्व में तय लक्ष्य की तुलना में कमी दर्ज की गई हैं;**

(ख) **यदि हां, तो तत्संबंधी जोन-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा रेलवे के राजस्व पर कोविड-19 वैश्विक महामारी का क्या प्रभाव पड़ा है;**

(ग) **क्या रेलवे को उक्त अवधि के दौरान देश में रेलवे कार्गो सेवाओं के कम उपयोग के कारण भारी नुकसान हुआ है;**

(घ) **यदि हां, तो तत्संबंधी जोन-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा उक्त अवधि के दौरान रेलवे को हुए नुकसान/लाभ में प्रत्येक जोन का जोन-वार कितना योगदान है; और**

(ड.) **सरकार द्वारा रेलवे की लाभप्रदता में सुधार हेतु तथा रेलवे के राजस्व पर कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?**

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

राजस्व में कमी के संबंध में 10.03.2021 को लोक सभा में श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री हेमन्त पाटिल और श्री राहुल रमेश शेवाले के अतारांकित प्रश्न सं. 2745 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी हां। विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान जनवरी, 2021 तक यात्री और माल यातायात खंड के तहत जोन-वार राजस्व प्राप्तियों के साथ-साथ लक्ष्य (संशोधित अनुमान) संलग्न है। 2020-21 में, जनवरी, 2021 के अंत तक कोविड 19 वैश्विक महामारी के प्रतिकूल प्रभाव के कारण परिणामी लॉकडाउन और यात्री सेवाओं के आंशिक परिचालन के परिणामस्वरूप विगत वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में कुल यातायात राजस्व में 36,918.86 करोड़ रु. की गिरावट आई है। कमी के वर्ष-वार कारण निम्नानुसार दिए गए हैं:-

2017-18

- **प्रारंभिक यात्रियों में गिरावट - गैर-उपनगरीय खंड में और संशोधित अनुमान की तुलना में वास्तविक में औसत उप-नगरीय गमन में गिरावट।**
- **संशोधित अनुमानों (आरई) की तुलना में वास्तविक में कम लदान।**
- **अन्य कोचिंग राजस्व में मामूली वृद्धि।**
- **रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से सामान्य राजस्व के लिए लाभांश प्राप्तियों का प्रेषण जो अब तक रेलवे' के विविध राजस्व और भूमि मुद्रीकरण के तहत कम लामबंदी का हिस्सा हुआ करता था।**

2018-19

- **संशोधित अनुमान की तुलना में वास्तविक में प्रारंभिक यात्रियों और औसत यात्री गमन में गिरावट**
- **अन्य कोचिंग राजस्व में मामूली वृद्धि।**
- **भूमि मुद्रीकरण से राजस्व लक्ष्य का फलीभूत नहीं होना।**

2019-20

- **रेल परिचालनों में कोविड 19 वैश्विक महामारी और परिणामी लॉकडाउन का प्रतिकूल प्रभाव**
- **औसत यात्री गमन में गिरावट**

- संशोधित अनुमान लक्ष्य की तुलना में सम्हलाई में कमी
- आरएलडीए को विविध राजस्व में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड समायोजन।

2020-21

- रेल परिचालनों में कोविड 19 वैश्विक महामारी और परिणामी लॉकडाउन का प्रतिकूल प्रभाव
- लॉक डाउन अवधि के दौरान यात्री सेवाओं का पूर्ण शटडाउन और तत्पश्चात यात्री गाड़ियों का आंशिक संचालन

(ग) और (घ) : मार्च 2020 में कोविड-19 के प्रकोप के बाद लॉकडाउन अवधि के दौरान, मांग में गिरावट और सम्हलाई और उतराई टर्मिनलों पर सड़क परिवहन तथा श्रम सेवाओं में व्यवधान के कारण माल ढुलाई प्रभावित हुई थी। बहरहाल, रेलवे आवश्यक परिवहन के संचलन को निर्बाध रूप से बनाए रखने में सफल रहा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिजली संयंत्रों के लिए कोयले और अन्य आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, उर्वरक आदि की कोई कमी न हो। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) के तहत राज्यों को खाद्यान्न आपूर्ति के लिए रिकॉर्ड खाद्यान्न लदान किया गया।

गृह मंत्रालय द्वारा लॉकडाउन में ढील देने के बाद रेलवे ने माल यातायात संचलन को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए और विगत वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में अप्रैल, 2020 से जुलाई, 2020 तक की अवधि के दौरान 70 मिलियन टन माल यातायात की कमी को काफी हद तक ठीक कर लिया है। भारतीय रेल ने अप्रैल, 2020 से जनवरी, 2021 तक 990.31 मिलियन टन का लदान किया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की तदनुरूपी अवधि में यह 1000.77 मिलियन टन था।

(ड.): रेलवे प्राप्तियों पर कोविड 19 के प्रतिकूल प्रभाव के दृष्टिगत अपरिहार्य व्यय करने के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता मुहैया कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने कोविड संबंधित रिर्सोस गैप के लिए एक विशेष ऋण प्रदान किया है।

मंत्रालय वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए सतत आधार पर उपाय कर रहा है। चालू वर्ष में उत्तरोत्तर आधार पर यात्री सेवाओं को बहाल करने के अलावा, इस प्रयास में राजस्व प्राप्तियों को अधिकतम करने और नियंत्रणीय राजस्व खर्चों को कम करने के उद्देश्य से कई कदम उठाए गए हैं। राजस्व बढ़ाने के उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ उत्तरोत्तर उच्च यातायात थ्रूपुट को लक्षित करना, कमोडिटी बास्केट का विस्तार, अधिक से अधिक यातायात पर पकड़ बनाने के लिए प्रभावी और अभिनव विपणन रणनीतियां, अतिरिक्त क्षमता का सृजन और चल स्टॉक सहित मौजूदा रेल अवसंरचना का इष्टतम उपयोग, उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि, यात्री इंटरफेस में सुधार, किराया और माल ढुलाई दरों का आवधिक यौक्तिकरण और रेलवे के कुल राजस्व में गैर-किराया राजस्व स्रोतों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। व्यय नियंत्रण उपायों में कड़े आर्थिक और मितव्ययिता उपाय, बेहतर जन-शक्ति योजना, बेहतर परिसंपत्ति उपयोग, इन्वेंट्री प्रबंधन, ईंधन की खपत का इष्टतम बनाना आदि शामिल हैं।

*****

राजस्व में कमी के संबंध में 10.03.2021 को लोक सभा में श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री हेमन्त पाटिल और श्री राहुल रमेश शेवाले के अतारांकित प्रश्न सं. 2745 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित परिशिष्ट।

विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष में वास्तविक यात्री राजस्व के साथ-साथ लक्ष्य (संशोधित अनुमान)

(रुपये करोड़ में)

जोन	2017-18		2018-19		2019-20		2020-21	
	संशोधित अनुमान	वास्तविक	संशोधित अनुमान	वास्तविक	संशोधित अनुमान	वास्तविक	संशोधित अनुमान	जनवरी, 21 तक लगभग
मध्य	5550	5369	5840	5732	6266	5594	1906	991
पूर्व	2346	2280	2455	2351	2644	2366	625	429
पूर्व मध्य	2457	2413	2500	2534	2692	2499	1068	752
पूर्व तट	1430	1411	1510	1511	1626	1509	507	231
उत्तर	6671	6357	6650	6512	7055	6429	1628	997
उत्तर मध्य	4900	4756	5090	4993	5482	4774	1988	1425
पूर्वोत्तर	1600	1543	1619	1574	1743	1619	802	440
पूर्वोत्तर सीमा	1160	1178	1376	1349	1492	1333	453	296
उत्तर पश्चिम	2097	2004	2150	2091	2250	2049	418	271
दक्षिण	4380	4247	4521	4482	5110	4587	735	510
दक्षिण मध्य	4995	4861	5296	5167	5734	5293	1190	802
दक्षिण पूर्व	1635	1569	1713	1664	1845	1660	461	293
दक्षिण पूर्व मध्य	1165	1128	1176	1159	1276	1152	242	164
दक्षिण पश्चिम	1530	1488	1565	1556	1736	1583	360	207
पश्चिम	4650	4541	4780	4713	5116	4619	1131	726
पश्चिम मध्य	3361	3304	3551	3477	3725	3384	1426	975
मेट्रो/कोलकाता	200	194	208	201	208	219	59	21
सकल जोड़	50125	48643	52000	51067	56000	50669	15000	9529

विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष में वास्तविक माल यातायात राजस्व के साथ-साथ लक्ष्य (संशोधित अनुमान)

(रु. करोड़ में)

जोन	2017-18		2018-19		2019-20		2020-21	
	संशोधित अनुमान	वास्तविक	संशोधित अनुमान	वास्तविक	संशोधित अनुमान	वास्तविक	संशोधित अनुमान	जनवरी, 21 तक लगभग
मध्य	7500	7330	8488	8623	8714	7268	6951	5446
पूर्व	4500	4520	4767	4445	5254	4047	4801	3573
पूर्व मध्य	9140	9975	11307	10046	9180	8784	10341	7518
पूर्व तट	14900	15135	16398	15840	18289	15894	18311	13542
उत्तर	7000	7075	8044	8166	8956	6768	7683	5965
उत्तर मध्य	10000	10345	11469	10332	11640	8048	7771	5970
पूर्वोत्तर	1650	1576	1608	1599	1772	1460	1801	1305
पूर्वोत्तर सीमा	1940	2076	2357	2152	2598	1933	2357	1762
उत्तर पश्चिम	4800	4627	4800	5080	4316	4017	5110	3981
दक्षिण	2850	2694	3179	3125	3176	2755	2891	2090
दक्षिण मध्य	10800	10841	12705	12207	12007	9906	9159	6931
दक्षिण पूर्व	12550	12008	12724	13009	14024	13799	15085	11201
दक्षिण पूर्व मध्य	12110	11762	12881	12769	14396	12459	14051	10648
दक्षिण पश्चिम	3160	2979	3086	3010	3461	2892	3296	2466
पश्चिम	6800	6692	7142	7979	7291	5437	6060	4692
पश्चिम मध्य	7800	7421	8793	9050	9657	8020	8516	6426
सकल जोड़	117500	117055	129750	127433	134733	113488	124184	93518

*****